www.gaulokmahatirth.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670
Postal Reg No. NGR/080 /2021-23

कामधेनु दर्शन

वर्ष-10 | अंक-9 | कुल पृष्ठ:4 | एक प्रति मूल्य:10 रू.
जोधपुर, शनिवार 1 जून, 2024 | वार्षिक शुल्क:100रू.

मासिक समाचार पत्रिका
सम्पादक - सुनील शर्मा (BCA)
सह सम्पादक-ओमप्रकाश चौहान (M.sc)

भीषण गर्मी में प्रतिदिन किया जाता है पानी का छिड़काव

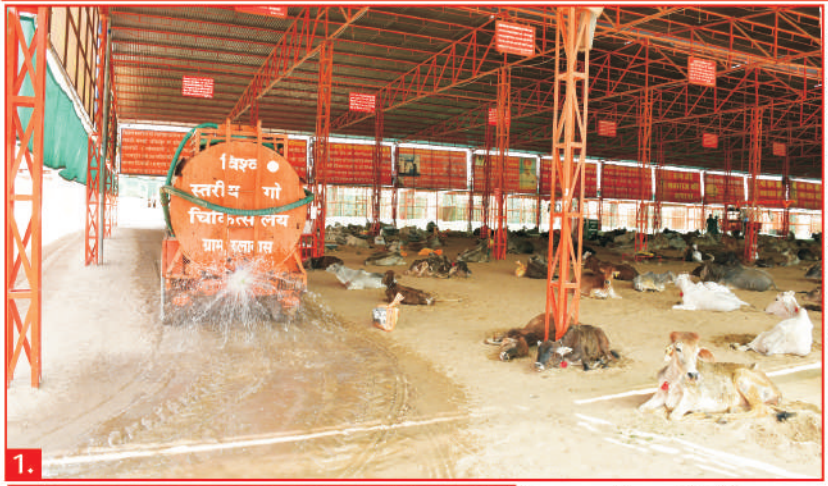
1.

2.

3.

4.

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पीड़ित व बीमार गोवंश को गर्मी से बचाव हेतु प्रतिदिन टेंकर द्वारा पानी का छिड़काव किया जाता है 1.अत्यधिक घायल गोवंश वार्ड में गोवंश को भीषण गर्मी से राहत हेतु टेंकर से पानी का छिड़काव करते हुए। 2.गो चिकित्सालय में गोवंश को आर.ओ. प्लांट द्वारा शुद्ध फिल्टर मिनरल वाटर (पानी) पिलाया जाता है, पानी की खेली में मिनरल वाटर (पानी) डालते हुए। 3.वन्यजीवों के पिंजरों में गर्मी से बचाव हेतु पानी का छिड़काव करते हुए 4.फॉगिग सिस्टम प्रणाली द्वारा वार्ड में पानी को कोहरे के रूप में परिवर्तन करता है जिससे गोवंश को भीषण गर्मी में ठण्ड का अहसास होता है साथ ही प्रत्येक वार्ड में टेंकरो द्वारा पानी छिड़क कर गोवंश को राहत पहुँचाई जाती है, भीषण गर्मी में पानी का छिड़काव अपने आप में अद्भुत कार्य है।

ऑपरेशन कर जीवित बछड़े को निकाला बाहर

1.

2.

3.

ऐसी गोमाता जिनका ग्रामीण क्षेत्र में उपचार संभव नहीं होता है और गोमाता के पेट के अन्दर ही बच्चा खत्म हो जाता है उनको ग्रामीण पशु चिकित्सक की सलाह पर उच्च स्तरीय उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय पहुंचाया जाता है ताकि समय पर उनका उपचार संभव हो सके और उस गोमाता को जीवनदान मिल सकें। ऐसी ही एक घरेलु गोमाता जिसको लिखमाराम गोरा (जाट) पुत्र रामुराम, ग्राम बारनाऊ, तह.चामु, जिला जोधपुर वालों ने अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में उपचार हेतु लेकर आये। गो चिकित्सालय में अनुभवी मेडिकल टीम ने ऑपरेशन करके जीवित बछड़े को बाहर निकालकर गोमाता व बछड़े को जीवनदान दिया गया। ऑपेरशन के पश्चात् आराम करती हुई गोमाता। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

देवभूमि भारत के इतिहास में न पहले थी न वर्तमान में है ऐसी 18 एम्बुलेन्सों की सेवा-यही हमारा ऐतिहासिक कार्य

सूर्य उदय होते ही एम्बुलेन्स सेवा शुरू हो जाती है चालू

लावारिस दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश की सूचना हेतु मोबाईल सेवा (फोन सेवा) सूर्य उदय से सूर्य अस्त तक रहती हैं, 18 एम्बुलेंसों की सेवा सूर्य उदय होते ही गो सेवार्थ पावन पुनित कार्य के लिए निकल जाती हैं एवं दिन में एम्बुलेंस कम पड़ने पर किराये का वाहन भेजकर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय अपना दायित्व पूर्ण करता है। जो एम्बुलेंस दिन में दूसरी बार जाती हैं वह रात्रि तक पहुंचती है और रात्रि में ही उस बीमार गोवंश की चिकित्सा की जाती हैं, चिकित्सा सेवा 24 घण्टे विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर व जोधपुर शाखा में चालू रहती हैं।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्ता युक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में इंसानों की भांति होती है 24 घण्टे निरन्तर गो चिकित्सा सेवा

प्रसव पीड़ित गोमाता का ऑपरेशन कर गोमाता को दिया जीवनदान

1.

2.

3.

1.खेतसिंह राजपुरोहित पुत्र खंगारसिंह, ग्राम हलिया, तह.कल्याणपुर, जिला बालोतरा वालों ने अपनी घरेलु गोमाता जो कि प्रसव पीड़ा से ग्रस्त थी उसे उच्च स्तरीय उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। 2.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा ऑपरेशन करके मृत बछड़े को बाहर निकाला गया (इनसेट में मृत बछड़ा)। 3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी गोमाता। ज्ञात रहे गोमाता को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से जल्द ही स्वस्थ हो जायेगी।

कुत्तों के काटने से घायल गोमाता का किया उपचार

ग्राम बड़ा कोटचा, तह.तिंवरी, जिला जोधपुर में एक लावारिस गोमाता जो कि आवारा कुत्तों के काटने से घायल थी, गोमाता के पीठ पर घाव थे सूचना मिलने पर गोभक्त सुखाराम टाक (माली) पुत्र खेताराम ने उसको उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया गया।

गोमाता का टूटा सिंग, उपचार कर पहुंचाई राहत

सुरसागर, जोधपुर में एक लावारिस गोमाता जिसका एक सींग आधा टूटा हुआ और घाव था उसको दौलतराम सोलंकी (माली) पुत्र जयसिंह ने उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार करके सींग को काटकर अलग किया गया

आग से जली आई गोमाता, किया उपचार

एक घरेलु गोमाता जो आग लगने से झुलस गई, भयंकर आग में गोमाता पुरी तरह से जल गई, जगह-जगह पर घाव हो गये, यह घटना जोधपुर जिले की तह.ओसियां के ग्राम खावड़ा की है। रमेश बोला (विश्नोई) पुत्र हरलालराम ने घर में पशुओं के लिए एक छप्परा बना रखा था, आग लगने से गोमाता की पीठ, गर्दन और मुँह पर गंभीर घाव हो गये उसको उपचार हेतु निजी वाहन द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। आग से जली हुई गोमाता का रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया गया।

उपचार हेतु अन्य गोशालाओं से आते है बीमार गोवंश

श्री सती माता गोसेवा फाउण्डेशन, ग्राम धावा, तह.लूणी, जिला जोधपुर वालों ने एक गोमाता जो कि आँख खराब होने से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का उपचार करती हुई अनुभवी मेडिकल टीम।

एक्सीडेंट से गोमाता के पीठ पर हुआ घाव, किया उपचार

एक निराश्रित गोमाता जिसका सड़क पर एक्सीडेंट हो जाने एवं पीठ पर बड़ा घाव होने से घायल थी, उसको उपचार हेतु प्रेमसिंह टाक (माली) पुत्र गोकुलराम, ग्राम रियां सेठों की, तह.पीपाड़ शहर, जोधपुर वालों ने अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर लेकर आये। गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह जी राठौड़ के नेतृत्व में अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया गया।

गोमाता का आया शरीर बाहर, किया ईलाज

मदनदान कविया (चारण) पुत्र जसुदान, ग्राम गोपालसर, तह.बालेसर, जोधपुर वालों ने अपनी घरेलु गोमाता जो कि बच्चेदानी बाहर आने से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का उपचार करती हुई अनुभवी मेडिकल टीम।

हॉर्न कैंसर पीड़ित गोमाता का ऑपरेशन

भागीरथराम विश्नोई (खीचड़) पुत्र रामचन्द्र, ग्राम नेहड़ा, तह.रोहिट, जिला पाली वालों ने अपनी घरेलु गोमाता जो कि सींग में घाव (हॉर्न कैंसर) होने से पीड़ित थी उसको अपने नीजी वाहन द्वारा उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम ऑपरेशन किया गया।

मेडिकल टीम ने घायल बगुला का उपचार कर पहुँचाई राहत

गो चिकित्सालय में वन्यजीवों को वन्यजीव प्रेमी ही लेकर आते है इन घायल वन्यजीवों को कड़ी मेहनत व उच्च क्वालिटी की दवाईयाँ द्वारा उपचार किया जाता है व मानव बच्चों की तरह देखभाल की जाती है, पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन वन्यजीवों को सविचरण हेतु छोड़ दिया जाता है। महिपाल मोगा (जाट) पुत्र मदनलाल, ग्राम जाजीवाल भाटिया, जोधपुर द्वारा एक बगुला जो कि घायल था एवं उड़ने में असमर्थ एवं घाव से पीड़ित था उसको उपचार हेतु निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। गो चिकित्सालय में अनुभवी मेडिकल टीम घायल बगुले का उपचार करती हुई।

इंसानों के विश्व स्तरीय चिकित्सालय भारत में सैकड़ों मिल जायेंगें लेकिन गोवंश हितार्थ विश्व स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय गो चिकित्सालय चार-पांच ही मिलेंगे कारण इन्हें संचालन करने में कठोर

प्रतिदिन 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन बांटा दिया जाता है

प्रतिदिन पीड़ाग्रस्त गोमाता को मौसम अनुसार पौष्टिक आहार स्वरूप 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन(आठ हजार किलो) बांटा (दलिया) पकाकर दिया जाता है। इसके अन्दर मिनरल पाउडर जिसके अन्दर कैल्शियम, कॉपर, कोबाल्ट, मैग्नेशियम, खनिज लवण व विटामिन होते है। जिसे गोवंश को वजन के अनुसार बांटे में डालकर खिलाया जाता है। जिससे गोवंश को मिनरल की कमी न हो और साथ ही गोवंश स्वस्थ व तन्दुरस्त रहे।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में गोभक्त बाबुलाल जी पुत्र श्री लाखाराम जी विश्नोई, ग्राम मेघावा, पो. विरावा, तह. चितलवाना, जिला जालौर वालों ने अपने 49वें जन्मोत्सव पर पीड़ित, गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाया, 5 पीपा मूंगफली तेल एवं 1100 रूपये का हरा चारा (रिजगा) डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में पीड़ाग्रस्त गोवंश के हित को देखते हुए चिकित्सकों के सलाह के अनुसार उच्च क्वालिटी का चारा (ज्वार की कुतर, बाजरी की कुतर) ही दिया जाता है। इस चारे को चारा मशीन द्वारा छाणकर गोवंश को दिया जाता है इस दौरान छाणते वक्त कंकर या अन्य वस्तु को भी हटाया जाता है। चारा मशीन से जब चारा छाणा जाता है तो बिलकुल बारिक मिट्टी एवं गुदी अलग ही निकलती है यह मिट्टी व गुदी बीमार गोवंश के लिए नुकसान दायक रहती है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में विशालतम् बांटा गोदाम 55x35 फिट बड़ा, जिसमें सैंकड़ों टन खाद्य सामग्री को रखा जाता है, ज्ञात रहे उसी अनुसार वापस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन 8 टन (8 हजार किलो) 24 कढ़ाईयों में खाद्य सामग्री लगती है, यहाँ बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की हो रही चिकित्सा-सेवा से प्रभावित होकर अपने गाँव/शहर के गोभक्त मिलकर खल, गुड़, चुरी,जौ, लापसी हेतु गेहुं का बाट, बाजरी का दलिया, चापड़ इत्यादि गो खाद्य सामग्री भेजना चाहते है तो गो चिकित्सालय में सूचना करें ताकि किराये का वाहन भेज कर खाद्य सामग्री मंगवा ली जायेगी। सम्पर्क– 8696946644

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त बनवाते है पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में हार्धीराम जी हुड्डा (कृष्ण सेवा समिति), जोधपुर वालों द्वारा पीड़ित गोवंश हितार्थ 5 कढ़ाई दलिया और 1 कढ़ाई लापसी बनवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

स्व.जयरामजी गहलोत पुत्र स्व.श्री शेशारामजी गहलोत, जोधपुर वालों की चौथी पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी श्रीमती उगमा देशी व सुपुत्र श्री रामनिवासजी, दिनेशजी गहलोत व सुपुत्री मीरा बाई द्वारा 3 कढ़ाई दलिया बनवाया, पानी व दवाईयां हेतु 11 हजार रू. का सहयोग

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में बालाजी ग्रुप, महिला मण्डली, जोधपुर द्वारा 2 कढ़ाई लापसी व मेडिकल दवाईयों, जल सेवा व सुखा चारा हेतु 25 हजार 500 रू.का सहयोग किया, पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख, शांति, समृद्धि व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

संजु देवी धर्मपत्नी श्री महेन्द्रसिंहजी ठेकेदार,जोधपुर वालों ने अपनी शादी की 40 वीं सालगिरह पर 2 कढ़ाई दलिया, 1000 रू. का हरा चारा डलवाया।

स्व.श्रीमती सुशीला देवी, ग्राम दईकड़ा, तह.व जिला जोधपुर वालों की स्मृति में उनके पुत्र श्री धर्मेन्द्रजी दहिया (दर्जी) व समस्त परिवारजनों द्वारा। कढ़ाई बनवाई, 1 पीपा घी, 2 पेटी गुड़ भेंट की और 1300 रू.हरा चारा डलवाया।

स्व.रामादेवी पत्नी स्व.श्री मोतीलालजी, डेगाना, नागौर वालों की स्मृति में उनके पुत्र बृजेन्द्रजी दाधीच-पुत्रवधु निर्मला दाधीच व सुपौत्र दित्यकान्त ने पीड़ित गोवंश के लिए 2 पिकअप सुखा चारा डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

राज्य शिक्षा मंत्री दिलावर जी का स्वागत सम्मान

कन्हैया गौशाला, पाल बालाजी, जोधपुर में राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री माननीय मदन जी दिलावर का आगमन हुआ, उन्होने इस भीषण गर्मी में गोवंश की किस प्रकार सेवा हो रही है, किस प्रकार गौशाला संचालक गोवंश की चिकित्सा सेवा कर रहे है, तथा अनुदान के विषय मे चर्चा की इस दौरान विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर के संस्थापक श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के प्रतिनिधि के रूप में गजेन्द्रजी सैन, सुभाषजी पोषवाल, लिखमारामजी पटेल व सुनीलजी शर्मा ने मदनजी दिलावर को कामधेनु दर्शन पुस्तक भेंटकर स्वागत सम्मान किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर व एस.डी.एम का हुआ निरीक्षण हेतु आगमन

अतिरिक्त जिला कलक्टर (ग्रामीण) सीमा जी काव्या व पंकज जी जैन (SDM) का भीषण गर्मी के चलते गोवंश की सेवा में कोई कमी तो नही है इस हेतु आकस्मिक निरीक्षण हेतु आगमन हुआ, गो चिकित्सालय निरीक्षण कर्मचारी व इंचार्जगणों ने गोवंश के बने हुए अलग-अलग वार्डो की बारिकी से जानकारी दी, पश्चात् सीमाजी काव्या को कामधेनु दर्शन पुस्तक भेंट की। सेवा से प्रभावित होकर कलक्टर साहिबा ने कहा की आपकी गोवंश की सेवा अच्छी है में अन्य गौशालाओं से यही कहुंगी की आपकी हो रही सेवा से जानकारी लेकर अपनी गोशाला में कार्य कर सुधार करें।

मेहनत, अनेक बाधाऐं, आर्थिक परेशानियां एवं दुष्ट पुरूषों के द्वारा दी गई आपत्तियों का बार-बार सामना करना पड़ता है तथा राज्य सरकार द्वारा भी कोई विशेष सहायता नहीं मिलती...

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त करते है पीड़ित गोवंश हितार्थ अच्छा सहयोग

1.

2.

3.

4.

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में 1.चुन्नी देवी पुत्री श्री खींयारामजी गोरछिया (जाट), शिव, जिला बाड़मेर वालों द्वारा 3 लाख रू.का नगद सहयोग 2.श्री मदनराजजी बोहरा (जैन), विमल कुमारजी, प्रेम कुमारजी, विवेक कुमारजी रांका (जैन), बैंगलोर वालों ने गोलडेम के टीनशेड (साईज 18 गुणा 90 फीट) के निर्माण हेतु 2 लाख 25 हजार रू. का सहयोग 3.दिनेशजी चौधरी पुत्र श्री घीसारामजी चौधरी, बीकानेर मिठाई वाले, भु गांव वालों ने दानपात्र के माध्यम से 15 हजार 500 रू. का सहयोग 4.सिद्धार्थजी कांकरिया पुत्र स्व.श्री भागचन्दजी कांकरिया, जोधपुर वालों द्वारा मेडिकल दवाईयां, हरा चारा व पानी के टेंकर हेतु 11 हजार रू. का सहयोग किया। पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख, शांति, समृद्धि व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

5000 कम्पाउण्डर तैयार कर राष्ट्र व गौमाता हेतु करेंगे समर्पित–महामण्डलेश्वर

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जिला जोधपुर में चिकित्सा का प्रशिक्षण लेने हेतु आये डिप्लोमाधारी हरी किशन पुत्र श्री चुना राम जी, ग्राम गोपासरीया, तह.तिंवरी, जिला जोधपुर वालों ने 3 माह का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ व अध्यक्ष कालुरामजी प्रजापत से प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करते हुए। ज्ञात रहे गो चिकित्सालय में कम्पाउण्डरों को बड़े से बड़े ऑपरेशन करना, एक्स-रे मशीन पर एक्स-रे करना, हाइड्रोलिक मशीन से गोवंश को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जाना, विभिन्न प्रकार के चार्टों द्वारा अलग-अलग नस्लों के गोवंश की जानकारी प्राप्त करना, प्राथमिक चिकित्सा, अनुसंधान केन्द्र द्वारा गोवंश के अंगो की बारीकी से जानकारी प्राप्त करना, सुक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा रोगो की जाँच, ऑटोक्लेव मशीन द्वारा ऑपरेशन के औजारों को नि:संक्रमित करना, वेक्यूम मशीन द्वारा बछड़ों का श्लेष्म स्त्राव निकालना, गोवंश के रोगों की जाँच हेतु लेबोरेट्री सेम्पल भरना एवं कई कम्पाउण्डर नये- नये क्रियाक्लाप करके चिकित्सा क्षेत्र में कई प्रकार के इतिहास रच रहे है, यह एक पंथ अनेक काज कर रहे है। 3 माह के प्रशिक्षण के अलावा यात्रियों को निरीक्षण करवाना, फॉर व्हीलर चलाना, कैमरा चलाना, विडियों शूटिंग, कम्प्यूटर, सत्संग के माध्यम से संस्कार देना इत्यादि कार्यों का प्रशिक्षण देकर इन कांच के टुकड़ों को बेशकिमती नगीना बनाया जाता है, तब इन बेशकिमती नगीनों को भारत की गौशालाएं 20 से 25 हजार रूपयें वेतन और सुविधाएं देती है, कुछ फिल्ड में कार्य कर 20 से 25 हजार रूपयें महीना कमा लेते है। अब तक तैयार हुए 2650 कम्पाउण्डर अपने गाँव/शहर में प्रतिदिन हजारों लावारिस, घरेलु व गौशालाओं के गोवंश की चिकित्सा सेवा कर रहे है। नोट-देश के गो चिकित्सालय या गौशाला में डिग्रीधारी पशु कम्पाउण्डर है, लेकिन समय पर पीड़ित गोवंश का उपचार नहीं करते हैं, डयूटी के समय नशा करते हैं, समय पर आते नहीं हैं, आप उनसे परेशान हो चुके है, तो आप अपने क्षेत्र में इन विदाई ले चुके कम्पाउण्डरों से सम्पर्क कर सकते है-हरी किशन-8306250262

गो चिकित्सालय की तरफ से पुलिस थाना करवड़ व खेड़ापा को किए 2–2 बेरिकेट्स भेंट

जोधपुर। विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के संस्थापक श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के निर्देशानुसार अध्यक्ष कालुरामजी प्रजापत के नेतृत्व में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर द्वारा सराहनीय और सकारात्मक पहल के तहत् पुलिस थाना करवड़ व पुलिस थाना खेड़ापा को 2-2 रोड़ बेरिकेट्स भेंट किए। इस दौरान श्री अवदेशजी सान्दू (सी.आई.) करवड़, व लाखारामजी जाखड़ (एस. आई) खेड़ापा सहित पुलिसकर्मी व गो चिकित्सालय के इंचार्जगण उपस्थित रहे।

भारत में ऐसी बड़े स्तर पर अद्भुत सेवाएं अन्यत्र कहीं नही

1. विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लावारिस दुर्घनाग्रस्त गोवंश को लाने हेतु 18 पशु एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गई है। 2. जिस स्थान से दुर्घटनाग्रस्त गोवंश लाये जाते हैं स्वस्थ होने के पश्चात् गोवंश को पुन: उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है। 3. मालिक अपने घरेलु बीमार गोवंश लेकर आता है तो उनको एक बीमार गोवंश के बदले में एक स्वस्थ गोवंश वापस दिया जाता है अगर वो स्वस्थ गोवंश नही लेते है तो उन्हे 3500 रू. की रसीद कटवानी पड़ेगी।4. गौशालाओं से एक बीमार गोवंश लेकर आते है तो उनको भी एक बीमार के बदले में एक स्वस्थ गोवंश दिया जाता है।5. निजी वाहन एवं पुलिस प्रशासन के वाहन द्वारा आते हैं, ऐसे वन्य जीवों को लिया जाता है।6. वन्य जीवों को स्वस्थ होने पर गो चिकित्सालय वन विभाग को सुपुर्द कर देता है।7. गो चिकित्सालय में स्वस्थ गोवंश एवं दूध देने वाली गायों को नहीं रखा जाता और ना ही लिया जाता है। 8. जो स्थान एम्बुलेंस क्षेत्र की परिधि से बाहर है, ऐसे स्थान पर लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो, तो वहां के संस्था से जुड़े दानपात्र सदस्य किराये का वाहन कर घायल गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, वाहन किराया में कुछ राशि कम रहती है उस राशि का भुगतान गो चिकित्सालय द्वारा कर दिया जायेगा। 9.रात्रि में कोई लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जो संस्था से जुड़े हुए है वह किराये का वाहन कर दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, किराये में कुछ राशि कम रहती है, तो उस राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

गोभक्त अपनी नेक कमाई में से पीड़ाग्रस्त गोवंश हेतु प्रतिदिन श्रद्धानुसार गो दान कर अपने धन की शुद्धिकरण करना चाहते है तो उनसे निवेदन है कि आप अपने प्रतिष्ठान एवं घर पर स्टील का दान पात्र व बड़े प्रतिष्ठान पर वी.आई.पी.दानपात्र लगवा सकते है। इस गोदान से मरते हुए गोवंश को नया जीवन दान मिलता है तो उस गोवंश के जितने रोम होते है उतने वर्षों तक दानदाता स्वर्ग की प्राप्ति करता है दानपात्र लगवाने हेतु सम्पर्क करें- 8696946698

श्रीकृष्ण गोपाल गोसेवा समिति

(विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय)

जोधपुर रोड़, नागौर (राज.)

शाखा :जयपुर-पाली बाईपास ग्राम रलावास (जोधपुर)

www.gaulokmahatirth.com e-mail : jd.shrikrishangausevasimiti@gmail.com

एम्बुलेन्स नं.- 8696943714 गौ दान पात्र नं.- 8696946698

सहयोग के प्रकार–1.एक बीघा जमीन का भाव-2600000 रूपये, 2. बड़ा चारा गोदाम-1200000 रू., 3. बीमार गोवंश की दवाईयां प्रतिमाह- 900000 रू., एक दिन की दवाईयां-30000 रू., 4. एक माह का पौष्टिक आहार-750000 रू., एक दिन का- 25000 रूपये, एक कड़ाई दलिया (पौष्टिक आहार)-2100/- रू. 5. एक दिन की लापसी-51000 रू. एक कड़ाई लापसी-5100/- रू., 6.ट्रेक्टर-650000 रू., 7. पशु एम्बुलेन्स (बुलेरो माईक्रो हाईब्रेड)-700000 रू., 8.विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय का एक दिन का खर्च पाँच लाख रू., 9. बांटा स्थली टीन शेड (18 x 90) -2,25000/-रू., 10. साधु, साध्वियों, यात्रियों हेतु कमरा (20x14)-2,25,000/-11. घायल वन्यजीवों हेतु लोहे का पिंजरा- 40,000/ रूपये, 12. एक घायल गौमाता का ऑपरेशन+चिकित्सा -25,000/- रू., 13. एक गौमाता की चिकित्सा - 11000 रू. 14.गौमाता हेतु एक दिन का सुखा चारा-31,000/- रू. 15.गौमाता हेतु एक दिन का हरा चारा -21000 /- रू. 16.अनाथ बछड़े हेतु झूला-75000/-रू. 17.गौमाता हेतु अंडरग्राउण्ड रैम्प-35,000/-रू. 18.गौमाता हेतु एक सीमेंट की ठाण-30000/-रू. 19.गौमाता हेतु पानी की खेली-21000/- रू.

Shri Krishan Gopal Gau Seva Samiti, Jodhpur
ICICI A/c No. 683001700585, Ifsc Code. ICIC0006830
SBI A/c No. 41515647040, Ifsc Code. SBIN0051092

SHREE KRISHANA GOPAL GOUSEVA SAMITI, NAGAUR
AXIS A/c No. 912010003522032, IFSC Code -UTIB0001384
SBI A/c No. 61063361017, IFSC Code - SBIN0031528
UNION A/c No. 592401010050102, IFSC Code-UBIN0559245

भारत का दूसरा बड़ा गो चिकित्सालय गुजरात में, तीसरा बड़ा जोधपुर में, चौथा बड़ा महाराष्ट्र में लेकिन एम्बुलेन्स इनके पास दो या तीन ही है कारण एम्बुलेन्स व्यवस्था चलाना अत्यन्त कठिन है...

स्वामी एवं प्रकाशक अर्जुनसिंह राठौड़ के लिए मुद्रक गिरधारीराम द्वारा चौधरी प्रिंटर्स, किले की ढाल, नागौर से मुद्रित एवं मासिक हिन्दी समाचार-पत्र कामधेनु दर्शन, श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति, एन.एच. 62, जोधपुर रोड नागौर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-अर्जुनसिंह राठौड